VISION IAS
21 JUL 2018

# VISION IAS

www.visionias.in

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1066)

| | | | |
|---|---|---|---|
| Name of Candidate | Kanta Tangiu | | |
| Medium Eng./Hindi | Hindi | Registration Number | 42370 |
| Center | Mukherjee Nagar | Date | 21/07/18 |

### INDEX TABLE

| Q. No. | Maximum Marks | Marks Obtained |
|---|---|---|
| 1 | 10 | |
| 2 | 10 | |
| 3 | 10 | |
| 4 | 10 | |
| 5 | 10 | |
| 6 | 10 | |
| 7 | 10 | |
| 8 | 10 | |
| 9 | 10 | |
| 10 | 10 | |
| 11 | 15 | |
| 12 | 15 | |
| 13 | 15 | |
| 14 | 15 | |
| 15 | 15 | |
| 16 | 15 | |
| 17 | 15 | |
| 18 | 15 | |
| 19 | 15 | |
| 20 | 15 | |

Total Marks Obtained:

Remarks:

### INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

## EVALUATION INDICATORS

1. Context Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. The cave architecture in India not only enlighten us with information of tradition and customs of ancient times but also illustrate considerable accomplishment with regard to structural engineering and artistry. Discuss.
**(150 WORDS) 10**

भारत में गुहा स्थापत्य न केवल हमें प्राचीनकालीन परंपराओं और रीति-रिवाजों की जानकारी प्रदान करता है, अपितु यह संरचनात्मक अभियांत्रिकी एवं कलाकृतियों के संबंध में महत्वपूर्ण उपलब्धियों का दृश्य उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। चर्चा कीजिए।

भारतीय कला तथा इतिहास में गुहा स्थापत्य कला का अपना अहम स्थान है भीम बैटका की गुफाओं से ही भारत में गुहा स्थापत्य कला का आविर्भाव माना है

गुहा स्थापत्य :- प्राचीनकालीन परम्पराओं तथा रीति रिवाजों की जानकारी -

गुहा स्थापत्य कला द्वारा प्राचीन भारत की संस्कृति, लोक कलाओं इत्यादि की जानकारी प्राप्त होती है मौर्य काल में स्थित विहारों द्वारा उस काल में उपस्थित जैन तथा बौद्ध

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

धर्म भिक्षुओं के रहन-सहन, पूजा-पाठ के तरीकों की जानकारी तथा मठ मिलती है। यथा - नागार्जुन में शरण की गुफाये, मौर्योत्तर काल में गुफायें चैत्य तथा विहार तथा धर्मनिरपेक्ष प्रवृतियों को दर्शाती है।

संस्थागत अभिव्यक्ति तथा कलाकृतियां

गुहा स्थापत्य कला में तत्कालीन समय में उपस्थित कलात्मक सार तथा प्रेरणा के दर्शन भी होते हैं, यथा मौर्य काल में गुफायें बाहरी रूप से अलंकृत परन्तु अन्दर से सामान्य थी परन्तु मौर्योत्तर काल में गुफाये आन्तरिक तथा बाहरी दोनों रूपों से अलंकृत तथा तोरण द्वार बनाये जाने लगे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. While the Battle of Plassey laid the foundation of British Empire in India, it was the Battle of Buxar that proved to be the turning point of British fortunes in India. Discuss. **(150 WORDS) 10**

यद्यपि प्लासी के युद्ध ने भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की नींव रखी, तथापि यह बक्सर का युद्ध था जो भारत में अंग्रेजों की सफलता के लिए निर्णायक सिद्ध हुआ। चर्चा कीजिए।

भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के व्यापारिक कम्पनी से उपनिवेशवादी प्रवृति में बदलने के पीछे प्लासी तथा बक्सर का युद्ध प्रमुख स्थान रखता है।

ब्रिटिश साम्राज्य की नींव: प्लासी का युद्ध

1757 में प्लासी युद्ध की विजय बाद ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा

- बंगाल के राजस्व पर अपना अधिकार जमाया।
- अधिनायकवादी प्रवृति को बढ़ावा मिला।
- भारतीय राजाओं के मध्य अविश्वास, षड्यंत्रों का पता चला।

नवीनचन्द्र जैन: "प्लासी का युद्ध बंगाल के शाश्वत दुःख की शुरुआत है।"

बक्सर का युद्ध: अंग्रेजों की सफलता में निर्णायक।

बक्सर का युद्ध (1764) द्वारा ब्रिटिश सरकार कलकत्ता, [illegible] तथा चटगांव की जमींदारी मिली

- बंगाल में ईइ शासन की स्थापना
- बंगाल निर्यातक राज्य से निर्मित माल के आयातक तथा कच्चे माल के निर्यातक के रूप में स्थापित




इस प्रकार बक्सर युद्ध पश्चात बंगाल, तत्पश्चात सम्पूर्ण भारत ब्रिटिश उपनिवेशवाद के चंगुल में फंस गया

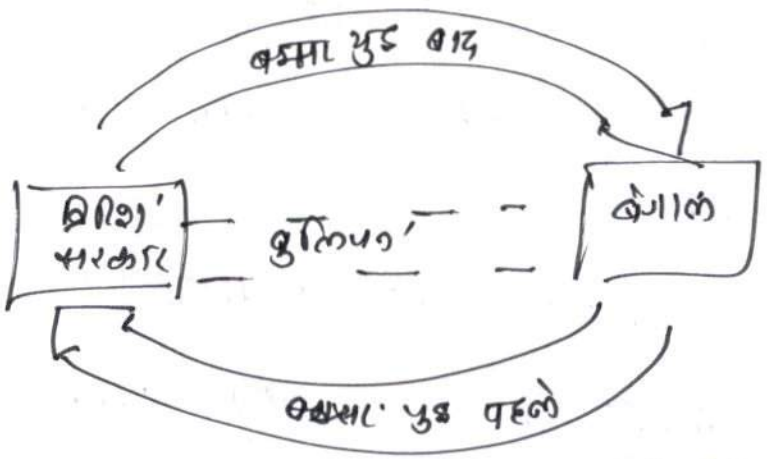

3. Among many novel methods and themes, the Swadeshi Movement laid great emphasis not only on boycott but also on self-reliance. Discuss.
(150 WORDS) 10

अनेक अनूठे तरीकों और विषय-वस्तु के साथ-साथ, स्वदेशी आंदोलन ने न केवल बहिष्कार, अपितु आत्मनिर्भरता पर भी अत्यधिक बल दिया। चर्चा कीजिए।

स्वदेशी आन्दोलन के (1905) के अंतर्गत प्रमुख साधन बहिष्कार, निष्क्रिय प्रतिरोध के साथ आत्मनिर्भरता भी थी




बहिष्कार

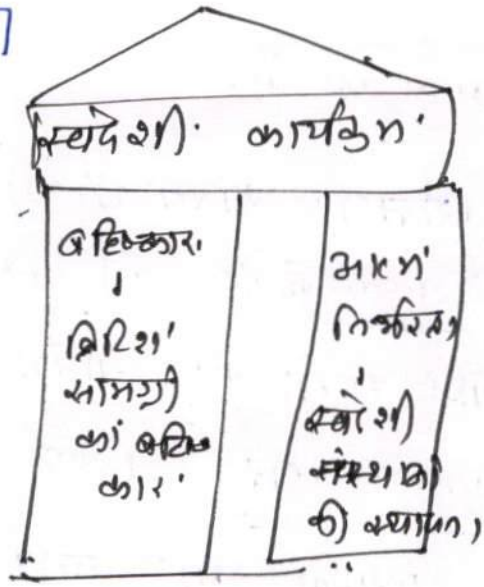

स्वदेशी कार्यक्रम के अंतर्गत -

- ब्रिटिश सामानों के निर्मित आयात का बहिष्कार यथा- कपड़े, नाड़ उद्योग
- ब्रिटिश अदालतों का बहिष्कार.

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- अंग्रेजी स्कूलों तथा अंग्रेजी शिक्षा का बहिष्कार।
- बंगाल तथा बंगाल के बाहर ब्रिटिश कानूनों का उल्लंघन। यथा - महाराष्ट्र में लोकमान्य तिलक, पंजाब में अजीत सिंह इत्यादि।

आत्मसम्मान पर जोर

- स्वदेशी शिक्षण संस्थाओं की स्थापना। यथा - नेशनल कॉलेज की स्थापना
- स्वदेशी उद्योग धन्धों की स्थापना जैसे - बंगाल केमिकल स्टोर (प्रफुल्ल चन्द्र राय)
- स्वदेशी संस्थाओं तथा न्याय पंचायतों की स्थापना।
- स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर जोर

इस प्रकार स्वदेशी आन्दोलन भारतीय जनमानस में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में सफल रहा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. The idea of linguistic states predated independence, however it took some time even after independence for this idea to be implemented. Discuss.
(150 WORDS) 10

यद्यपि भाषाई राज्यों का विचार स्वतंत्रता-प्राप्ति से पहले का था, तथापि स्वतंत्रता-प्राप्ति के पश्चात् भी इस विचार को कार्यान्वित करने में कुछ समय लगा। चर्चा कीजिए।

स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले ही भाषाई राज्यों के गठन का स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा समर्थन यथा - गांधीजी, जवाहर लाल नेहरू द्वारा नेहरू रिपोर्ट (1928) में भी भाषाई राज्यों के निर्माण का समर्थन किया गया था। तत्पश्चात पूर्ण स्वराज के समर्थन में भी भाषाई राज्यों का समर्थन।

स्वतंत्रता पश्चात

स्वतंत्रता पश्चात भारतीय नीति-निर्माताओं के समक्ष कई चुनौतियां थीं।
- राष्ट्र निर्माण तथा एकीकरण की चुनौती
- राष्ट्र के आर्थिक विकास को गति देने
- साम्प्रदायिक दंगों से निपटने की चुनौती

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

राष्ट्र के समक्ष उपस्थित समस्याओं के मद्देनजर भाषायी राज्यों का पूर्ण समर्थन नहीं किया गया था -

1. जेवीपी समिति (1948)

2. धर आयोग (1948)

इन दोनों समितियों द्वारा भाषायी आधार पर राज्य पुनर्गठन का विरोध किया गया।

परन्तु 1953 में आंध्रप्रदेश राज्य हेतु श्रीरामुलु द्वारा आमरण अनशन तथा मृत्यु पश्चात आंध्र राज्य का गठन।

1956 में राज्य पुनर्गठन आयोग द्वारा भाषायी आधार पर राज्यों का गठन जिससे 14 राज्यों तथा 6 केन्द्रशासित प्रदेशों की स्थापना।

चाहे भाषायी आधार पर राज्य निर्माण में देरी की गई हो परन्तु कारण भारतीय एकता व अखण्डता को अक्षुण्ण रखना था जो भाषायी राज्यों के बनने से कमजोर नहीं हुआ।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Dr. B. R. Ambedkar understood that persistent inequalities pose fundamental challenges to the economic and social well-being of the nation and people. In this context, discuss the key contributions of Dr. Ambedkar in the history of modern India. (150 WORDS) 10

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का मानना था कि दीर्घस्थायी असमानताएं राष्ट्र और लोगों के आर्थिक एवं सामाजिक कल्याण के समक्ष बुनियादी चुनौतियां प्रस्तुत करती हैं। इस संदर्भ में, आधुनिक भारत के इतिहास में डॉ. अम्बेडकर के प्रमुख योगदानों की चर्चा कीजिए।

डॉ. अम्बेडकर के अनुसार भारतीय समाज में व्याप्त असमानतायें दीर्घकालीन इतिहास तथा वर्ण परम्परा (वर्ण-धर्म) की देन है जिसके कारण भारतीय जनमानस के मस्तिष्क पर प्रभाव पड़ा है।

भारत के सामाजिक एवं आर्थिक कल्याण में चुनौतियां

सामाजिक चुनौतियां
- वर्ण विभेद की परम्परा से एक तबका मूलभूत अधिकारों से रहित
- राष्ट्र की चेतना तथा नैतिकता पर रोक
- सामाजिक असमानता तथा सामाजिक भेदभाव में कमी

उदा॰ - मानव विकास रिपोर्ट के खण्ड 'समानता' में भारत को आज भी निम्न स्थान

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**आर्थिक चुनौतियाँ**

- एक वर्ग विशेष का आर्थिक वृद्धि में योगदान में कमी; राष्ट्र की GDP पर प्रभाव
- जनसंख्या के एक वर्ग के कौशल विकास पर प्रभाव, निम्न स्तरीय कार्य करने को मजबूर
- आर्थिक वृद्धि तथा विकास के विरोधाभास में वृद्धि, गरीबी तथा असमानता को बढ़ावा। वर्ल्ड इन इक्वेलिटी रिपोर्ट 2018 - भारत के 1% उच्च वर्ग के पास 22% सम्पत्ति

**डॉ. अम्बेडकर का योगदान**

- **सामाजिक** → वर्ग चेतना जागृत करने, निम्न वर्गों को शोषित रूप से छुटकारा होने का ज्ञान
- **आर्थिक** → भारतीय पूंजीवादी अर्थव्यवस्था का समर्थन,
- **राजनीतिक** → भारतीय संविधान निर्माण तथा लोकतंत्र की स्थापना - SC, ST हेतु प्रावधान
- **वैचारिक** → निम्न वर्गों को श्रेष्ठ मूल्य निर्धारित तथा विरोध की प्रवृत्ति को आधार
- **अंतर्राष्ट्रीय** → अंतर्राष्ट्रीय शांति समानता के समर्थक

इस प्रकार डॉ अम्बेडकर का भारतीय लोकतंत्र में बहुआयामी योगदान है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. It has been pointed out that in recent times, while the proportional share of nuclear households has dipped in urban areas it has risen in rural areas. Analyse the reasons behind this trend. **(150 WORDS) 10**

यह इंगित किया गया है कि हाल के समय में, जहां शहरी क्षेत्रों में एकल परिवारों की आनुपातिक हिस्सेदारी में कमी आई है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में यह बढ़ी है। इस प्रवृत्ति के पीछे उत्तरदायी कारणों का विश्लेषण कीजिए।

शहरी क्षेत्रों में एकल परिवारों का घटना-चलन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में एकल परिवारों से परम्परागत विश्वास में कमी कि भारत में संयुक्त परिवार यथा गाँवों की प्रमुख विशेषता है।

**कारण**

भूमि सम्बन्धी
- शहरी क्षेत्रों में भूमि की कमी तथा रहनीय स्थानों की कमी के कारण संयुक्त परिवार.
- ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि की कमी नहीं

प्रवास सम्बन्धी
- ग्रामीण क्षेत्रों से शिक्षा तथा रोजगार हेतु शहरी क्षेत्रों की ओर प्रवास जिससे वृद्ध लोगों

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

की जनसंख्या गाँवों में ज्यादा तथा एकल परिवार का कारण

आर्थिक कारण
- शहरी क्षेत्रों में मकानों का बढ़ता किराया
- आर्थिक लाभ तथा नवीन रोजगार हेतु

वर्तमान स्थिति

हालांकि प्रवास तथा रोजगार के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में एकल परिवारों की संख्या बढ़ी है तथापि विवाह उत्सवों, त्योहारों इत्यादि पर परिवार का एक होना, शुभ अवसरों तथा तीर्थ यात्रियों पर सभी परिवारजनों का एक साथ जाना, गृह प्रवेश इत्यादि उत्सव बुजुर्गों के सान्निध्य में करना इत्यादि भारतीय मूल्यों तथा संयुक्त परिवार प्रथा के जीवित होने के परिचायक हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Separation, and not divorce, is the dominant form of marriage dissolution for most women in India. What could be the possible reasons behind this? Also, discuss why there are striking differences in divorce rates between the different regions in India. **(150 WORDS) 10**

असाहचर्य, न कि तलाक, भारत में अधिकांश महिलाओं के लिए विवाह विच्छेद का एक प्रमुख रूप है। इसके पीछे संभावित कारण क्या हो सकते हैं? साथ ही, चर्चा कीजिए कि भारत में विभिन्न क्षेत्रों के बीच तलाक की दर में सुस्पष्ट अंतर क्यों हैं।

भारत में विवाह को एक पवित्र बन्धन माना गया है इसलिये विवाह विच्छेद या तलाक की अपेक्षा अलग रहने को वरीयता दी जाती है।

कारण:

- सामाजिक - समाज में परिवार की इज्जत या सम्मान के नाम पर
  - सामाजिक स्थिति के कमजोर होने का डर
  - सामाजिक बहिष्कार का डर
  - बच्चों के विवाह या आर्थिक जीवन के लिए
- सांस्कृतिक - भारतीय ~~संविधान~~ संस्कृति के 16 संस्कारों में एक संस्कार

पवित्र बन्धन
- विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से निपटाने की परम्परा

आर्थिक – आर्थिक स्थिति पर प्रभाव
- बच्चों की शिक्षा-दीक्षा का खर्च ज्यादातर पिता द्वारा

विधायी – सुप्रीम कोर्ट भी एकाएक तलाक की अपेक्षा पारिवारिक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के समर्थन में। इसी परिवार अदालतों (1984) की स्थापना

भारत में तलाक दर में अंतर के कारण
- भारत में शहरी क्षेत्रों में तलाक की दर अधिक है बजाय ग्रामीण क्षेत्र में
- ग्रामीण क्षेत्रों में खाप पंचायतों की उपस्थिति भी विवाह-विच्छेद दर को प्रभावित करती है
- दक्षिणी भारत में शिक्षा प्रगति के कारण तथा मानव विकास तलाक दर उत्तर-पश्चिमी भारत से अधिक पायी जाती है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Giving an account of their impact, mention the reasons for increased frequency of dust storms as observed in the last few years. **(150 WORDS) 10**

धूल भरी आंधियों के प्रभाव का विवरण प्रस्तुत करते हुए, पिछले कुछ वर्षों में अवलोकित धूल भरी आंधियों की वर्धित आवृत्ति के कारणों का उल्लेख कीजिए।

भारत में धूल भरी आंधियां मुख्यतया उत्तर पश्चिमी तथा पश्चिमी भारत की प्रमुख विशेषता है जिसमें ग्रीष्म काल में धूल भरी आंधी अर्थात लू चलती है

प्रभाव

- मौसम पर परिवर्तन - तापमान ज्यादा तथा ग्रीष्म प्रभाव में वृद्धि
- स्वास्थ्य पर प्रभाव - लू से स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव यथा चक्कर आना, बेहोशी
- जलवायु पर प्रभाव - जलवायु का ज्यादा तीव्र ग्रीष्म होना
- कृषि पर प्रभाव - कृषि पर नकारात्मक प्रभाव सिंचाई स्रोतों की कमी तथा धूल के कारण मिट्टी ज्यादा

## मरुस्थलीयकरण का प्रसार

धूल भरी आँधियों की आवृत्ति वृद्धि के कारक

- मरुस्थलीयकरण में वृद्धि
- वनों का घटता प्रतिशत तथा निर्वनीकरण
- पछुआ पवनों की आवृत्ति बढ़ना
- जलवायु परिवर्तन तथा वैश्विक तापन का ज्यादा होना




- जलवायु सहनशीलता में कमी होना।

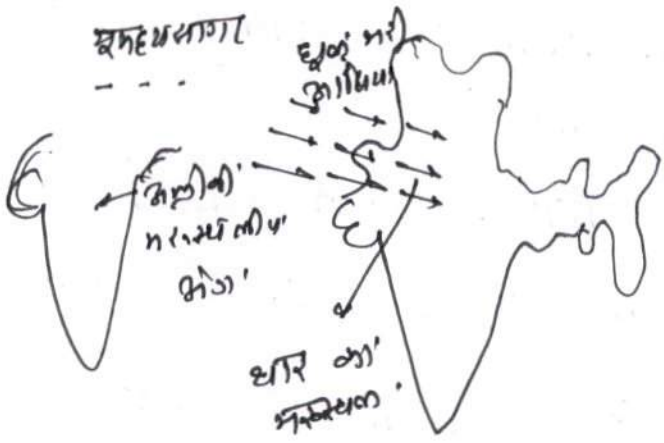

इस प्रकार धूल भरी आँधियाँ हालांकि भौगोलिक कारक है परन्तु मानवीय प्रयासों से इसके प्रभावों को कम किया जा सकता है।

9. Elaborate on the factors responsible for the evolution of the current drainage system in Indian sub-continent, with special emphasis on the characteristic features of Himalayan and Peninsular rivers. **(150 WORDS) 10**

हिमालयी और प्रायद्वीपीय नदियों की अभिलाक्षणिक विशेषताओं पर विशेष बल देते हुए, भारतीय उपमहाद्वीप में वर्तमान अपवाह प्रणाली के विकास के लिए उत्तरदायी कारकों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

भारतीय सभ्यता नदियों के किनारे फली-फूली है। भारत में नदियों की अपवाह प्रणाली के दो प्रमुख रूप हैं,

**हिमालयी नदियां**

- बारहमासी नदियां (जल की उपलब्धता पूरे साल)
- ग्लेशियरों तथा वर्षा से जल प्राप्ति
- युवा अवस्था
- गॉर्ज, कैनियन, V आकार की घाटी इत्यादि भौगोलिक रूप
- वृहद स्तर पर अपरदन तथा नौपरिवहन की क्षमता

**प्रायद्वीपीय नदियां**

- ग्रीष्मकालीन समय में जल की उपलब्धता कम
- वर्षाजल पर निर्भर (अपवाद - कावेरी नदी)
- प्रौढ़ावस्था
- बाढ़ के मैदान, डेल्टा इत्यादि ज्यादा भौगोलिक आकृतियां
- जल विद्युत संभावना
- नौपरिवहन क्षमता कम
- निक्षेपण ज्यादा

भारत: नदी अपवाह प्रणाली




वर्तमान अपवाह प्रणाली : कारक

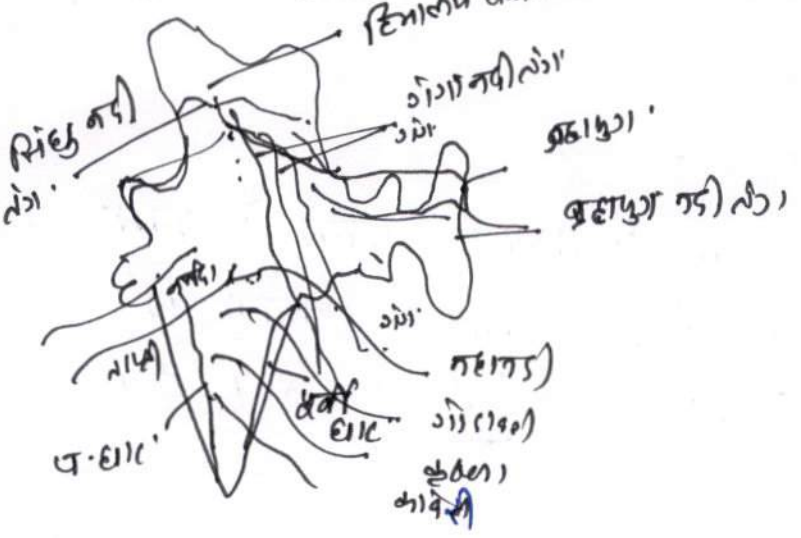

- हिमालय निर्माण की प्रक्रिया के कारण 'हिमालय' तथा उत्तरी मैदान में एक क्षेत्र जो नदियों के जलोढ द्वारा भरा जाता है।
- प. घाट के उत्थान के कारण पश्चिमी घाट प्रमुख जल विभाजक के रूप में
- प्लेट टेक्टोनिक्स की प्रक्रिया के अंतर्गत यूरेशियाई तथा भारतीय प्लेट की टक्कर से हिमालयी अपवाह तंत्र
- इस प्रकार भारतीय नदी अपवाह प्रणाली विभिन्न योग्यताओं से सुसंगत है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Enumerate the features of Plantation Agriculture and the problems faced by them. Given the fact that area under cultivation of palm oil has been increasing, discuss the benefits and challenges associated with it.
**(150 WORDS) 10**

बागानी कृषि की विशेषताओं और इसके समक्ष आने वाली समस्याओं को सूचीबद्ध कीजिए। इस तथ्य को देखते हुए कि पाम ऑयल की खेती के अंतर्गत क्षेत्र में वृद्धि हो रही है, इससे संबद्ध लाभों और चुनौतियों की चर्चा कीजिए।

बागानी कृषि के अन्तर्गत बाग-वानी फसलों यथा पॉम आयल, तिलहनों, फलों इत्यादि की कृषि आती है।

बागानी कृषि की विशेषतायें -

- बागानी कृषि हेतु विस्तृत खेतों की आवश्यकता नहीं
- सिंचित प्रदेशों में बागवानी फसलों को बढ़ावा
- मृदा उर्वरता को बनाये रखने में सहायक

- समस्यायें

- भारत में अभी भी खाद्यान्न उत्पादन पर किसानों का ज्यादा जोर।
- खाद्य सुरक्षा हेतु सरकार द्वारा खाद्यान्नों पर MSP देना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- खाद्यान्न मसलों के उचित भण्डारण, परिवहन तथा बाजार तंत्र का अभाव
- भारत हालांकि प्रमुख खाद्यान्न मसलों का उत्पादक परन्तु निर्यात में पर्याप्त स्थान नहीं

पॉम आयल वाली प्रवृत्ति : लाभ

- पॉम ऑयल उत्पादन में आत्मनिर्भरता, आयातों में कमी जिससे विदेशी मुद्रा का कम खर्च होगा
- पॉम आयल को जैव ईंधन के रूप में उपयोग किया जा सकता है

चुनौतियाँ

- खाद्य सुरक्षा पर दुष्प्रभाव
- भूमि की उर्वरा शक्ति पर प्रभाव
- किसानों की नियमित आय नहीं
- उपयुक्त बाजार तंत्र नहीं

सम्पदा योजना ← सरकारी प्रयास → पॉम ऑयल मिशन

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

इस प्रकार सरकारी प्रयासों के साथ सहकारी प्रयासों की आवश्यकता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Bring out the distinctive features of Gandhara, Mathura and Amravati schools of art that flourished towards the first century CE. **(250 WORDS) 15**

प्रथम शताब्दी ईस्वी के आसपास विकसित होने वाली गांधार, मथुरा और अमरावती कला शैलियों की सुस्पष्ट विशेषताओं को प्रस्तुत कीजिए।

भारतीय कला अपनी समावेशी तथा अन्तर्निहित प्रवृत्तियों के कारण अतुल्य है जिसका प्रमुख स्वरूप प्रथम शताब्दी में कला-संस्कृति के रूप में दिखाई देता है।

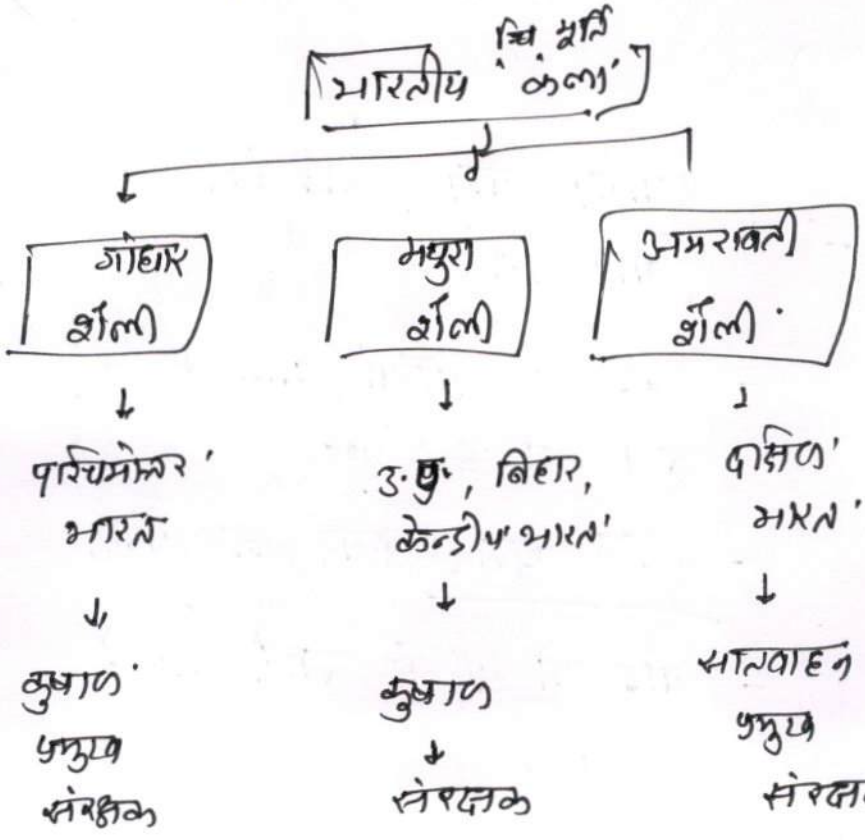

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कुषाण काल में ग्रीक रोमन विशेषताओं से प्रभावित

गांधार कला

- बुद्ध की छवि सर्वत्र के रूप में
- केवल बुद्ध की मूर्तियां ज्यादा बनाई गई।
- नीले धूसर पत्थर तथा पत्थर अनेक रूपों में निर्मित

मथुरा कला

- स्थानीय प्रभाव, कोई विदेशी प्रभाव नहीं
- बुद्ध की मूर्तियां शारीरिक रूप से हष्ट पुष्ट
- लाल धूसर पत्थर का उपयोग
- बौद्ध की मूर्तियां स्नानी पुरुष के रूप में

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अमरावती शैली

- स्थानीय कला का प्रभाव
- बुद्ध के मूर्तियों से ज्यादा आस-पास के वातावरण पर भी जोर
- संगमरमर का उपयोग

इस प्रकार तीनों कलाओं ने भारतीय मूर्तिकला को जीवंत किया है तथा नया रूप दिया है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. The British in India wanted not only territorial conquest and control over revenues; they also felt that they had a cultural mission: to 'civilise the natives', change their customs and values. Critically discuss.

**(250 WORDS) 15**

भारत में अंग्रेज न केवल क्षेत्रीय विजय और राजस्व पर नियंत्रण चाहते थे; अपितु वे यह भी मानते थे कि उनका 'मूल निवासियों को सभ्य बनाने', उनके रीति-रिवाजों और मूल्यों को परिवर्तित करने का एक सांस्कृतिक मिशन भी था। आलोचनात्मक चर्चा कीजिए।

भारत में अंग्रेजों का आगमन व्यापारिक था यद्यपि समय के बाद उद्देश्य परिवर्तन के साथ-साथ उद्देश्यों में व्यापकता आई तथापि मूल उद्देश्य साम्राज्यवादी प्रवृति का विकास था।

क्षेत्रीय विजय तथा राजस्व पर नियंत्रण -

अंग्रेजों का आगमन एक व्यापारिक ~~कम्पनिय~~ कम्पनी के रूप में हुआ जहाँ उसका मुख्य उद्देश्य,

1. भारतीय राजाओं से रियायत प्राप्त कर व्यापार को बढ़ावा देना

2. अन्य यूरोपीय शक्तियों की तुलना में व्यापारिक वृद्धि करना

3. भारत को अपना उपनिवेश बनाना तथा अधिकाधिक आर्थिक लाभ कमाना था जैसा कि दादा भाई नौरोजी ने अपने 'आर्थिक निकास' के सिद्धांत में प्रस्तुत किया है

4. इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अंग्रेजों ने व्यापारिक संघ बनाने, सहायक संधि, डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स इत्यादि तरीके अपनाये।

सांस्कृतिक निहितार्थ -

भारत की संस्कृति पर प्रभाव तथा पश्चिमीकरण के पीछे 3 प्रमुख विचार

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

थे -

- रूढ़िवादी - परम्परावाद का समर्थन
- आधुल परिवर्तनवादी - पूर्ण परिवर्तन का समर्थन
- उदार सुधारवादी - भारतीय परम्परा तथा ब्रिटिश उदारवाद का समन्वय

मुख्य विशेषताएँ -

- 1829 में सती प्रथा पर रोक
- कन्या भ्रूण हत्या, नर बलि प्रथा पर रोक
- विधवा पुनर्विवाह अधिनियम, 1856 पारित करना
- स्त्री शिक्षा (बेथुन स्कूल), की शिक्षा प्रसार पर जोर (वुड्स डिस्पैच)

परन्तु ब्रिटिश सरकार के सांस्कृतिक शिक्षा के पीछे मूल भारतीय सामाजिक धार्मिक धर्म सुधारक थे। 1857 की क्रांति पश्चात यह रुख वैसे भी छोड़ दिया गया।

इस प्रकार ब्रिटिश मूल उद्देश्य साम्राज्यवाद का प्रचार प्रसार था।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Despite Jawaharlal Nehru and Mahatma Gandhi being close associates, there were significant differences between the two regarding the role of state and the control that it exercised. Comment. **(250 WORDS) 15**

जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी के निकट सहयोगी होने के बावजूद, दोनों के बीच राज्य की भूमिका और इसके नियंत्रण की सीमा के संबंध में अर्थपूर्ण मतभेद थे। टिप्पणी कीजिए।

भारतीय स्वतंत्रता इतिहास में गांधी तथा नेहरू प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी जिनका योगदान भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण है।

नेहरू - गांधी : समानता

- जवाहर लाल नेहरू तथा महात्मा गांधी दोनों भारतीय स्वतंत्रता हेतु जनसमर्थन तथा जनजागरूकता को आवश्यक मानते थे।
- ब्रिटिश सरकार पर दबाव डालकर भारतीय जनता की मांगे पूर्ण करवाना
- रचनात्मकता तथा अहिंसात्मक कार्यक्रमों के समर्थक

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ धर्मनिरपेक्षता तथा मौलिक अधिकारों पर जोर।

→ नेहरू तथा गांधीजी दोनों ~~पाकिस्तान~~ साम्प्रदायिक दंगों पर रोक हेतु प्रयासरत थे।

→ कांग्रेस को शक्तिशाली बनाने तथा युवा, मजदूर किसानों, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना।

असमानता: राज्य की भूमिका तथा नियंत्रण की सीमा।

- नेहरू राज्य को राष्ट्र निर्माण तथा नीति निर्माण के लिये आवश्यक मानते थे जबकि गांधीजी राज्यविहीन राष्ट्र की स्थापना करना चाहते थे।

- नेहरू समाजवादी राज्य तथा वैज्ञानिक समाजवाद में विश्वास।

रखते थे जबकि गांधी अराजकतावाद मे

- नेहरू धर्म और राजनीति को परस्पर भिन्न मानते थे जबकि गांधी, "धर्म विहीन राजनीति हेतु"

- नेहरू पूंजीवादी उद्योगों तथा मशीनीकरण पर जोर जबकि गांधीजी ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा स्वशासन पर जोर

- नेहरू उद्योगों को राष्ट्र की प्रगति का आधार जबकि गांधीजी कृषि व्यवस्था पर ज्यादा ध्यान के हिमायती

वस्तुतः नेहरू गांधी में वैचारिक मतभेद केवल तार्किक था। दोनों का मुख्य उद्देश्य भारतीय स्वतंत्रता तथा अर्थव्यवस्था का बहुमुखी विकास (साध्य समान, साधन अलग)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**14.** Enumerating the reasons behind Sino-Soviet split in the second half of the 20th century, analyse its impact on the Cold War. **(250 WORDS) 15**

20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में चीन-सोवियत दरार के पीछे उत्तरदायी कारणों को सूचीबद्ध करते हुए, शीत युद्ध पर इसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

२० वीं सदी मुख्य रूप से शीत युद्ध का काल था जिसके अंतर्गत दो प्रमुख आर्थिक विचारधाराएं पूंजीवाद तथा साम्यवाद के मध्य भेद था।

परन्तु 1970s पश्चात चीन - रूस के रिश्तों में दरार जिससे शीत युद्ध का मूल कारण पर प्रश्नचिन्ह क्योंकि दोनों राष्ट्र साम्यवादी विचारधारा पर आधारित थे।

कारण

- चीन का रूस के भारत से बढ़ते सम्बन्धों से नाराजगी
- रूस में आर्थिक नीति में उदारीकरण का प्रयास यथा - मिश्रित इकोनॉमी को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भी ~~सहा~~ सीमित सहायता

- चीन का अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर साम्यवादी नेतृत्व करने की चाह

- चीन - रूस सीमा विवाद

. चीन - रूस के साम्यवाद के विचार. धारात्मक अन्तर

प्रभाव

- साम्यवादी राष्ट्रों के खेमों से कई राष्ट्रों का उदारवादी विचारधारा की ओर गमन,

- चीन का उग्र, आक्रामक विस्तारवाद.

. नवशीत युद्ध का प्रभाव जो विचारधारा. त्मक न होकर राजनैतिक कारणों से सम्बद्ध।

- गुट निरपेक्ष राष्ट्रों के मध्य असमंजस

. पूंजीवादी राष्ट्रों का शक्तिशाली होना

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस प्रकार नव शीत युद्ध के कारक शीत युद्ध के वातावरण में अधिक तेजी आई तथा विश्व ज्यादा अनिश्चितता की ओर गया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. History has disproved the prediction that democracy would not succeed in India. In this context, critically assess the achievements and challenges of democracy in India since Independence. **(250 WORDS) 15**

इतिहास ने इस भविष्यवाणी को नकार दिया है कि भारत में लोकतंत्र सफल नहीं होगा। इस संदर्भ में, स्वतंत्रता-प्राप्ति के उपरांत भारत में लोकतंत्र की उपलब्धियों और चुनौतियों का आलोचनात्मक आकलन कीजिए।

भारत की स्वतंत्रता पश्चात भारत एक पूर्ण राष्ट्र के रूप में नहीं था बल्कि 572 देशी रियासतों, 9 ब्रिटिश प्रान्तों में तथा 5 चीफ कमिश्नर प्रान्तों में बंटा हुआ था जिसे वल्लभ भाई पटेल तथा मेनन द्वारा अथक परिश्रम से एक राष्ट्र का रूप दिया गया।

भारतीय : लोकतंत्र : सफलतायें -

⇒ एक सुदृढ़ तथा निष्पक्ष चुनाव प्रणाली की स्थापना

⇒ सबसे बड़ा लिखित तथा व्यावहारिक संविधान

⇒ धार्मिक अल्पसंख्यकों तथा अन्य

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

वर्गों को प्राप्त स्वतंत्रता तथा विशेष अधिकार (यथा अनु. 29 एवं 30 - धार्मिक स्वतंत्रता तथा अनु. 15(3) तथा 16 (4) अन्य वर्गों के लिये (सामाजिक व शैक्षिक पिछड़ों) सकारात्मक प्रावधान)

• आर्थिकसत्ता - भारत आज विश्व की सबसे तेज विकास दर वाला राष्ट्र हाल में एशियन विकास बैंक के अनुसार 7.3 से 7.6% रहेगी भारतीय विकास दर। भारत फ्रांस को पीछे छोड़ते हुए 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था।

• सामाजिक क्षेत्र - सामाजिक बहिष्कार तथा लिंग तथा जाति समानता हेतु कठोर कानून यथा - विशाखा केस, हिन्दू उत्तराधिकार कानून, अस्पृश्यता (रोकथाम) अधिनियम, 1986 इत्यादि)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

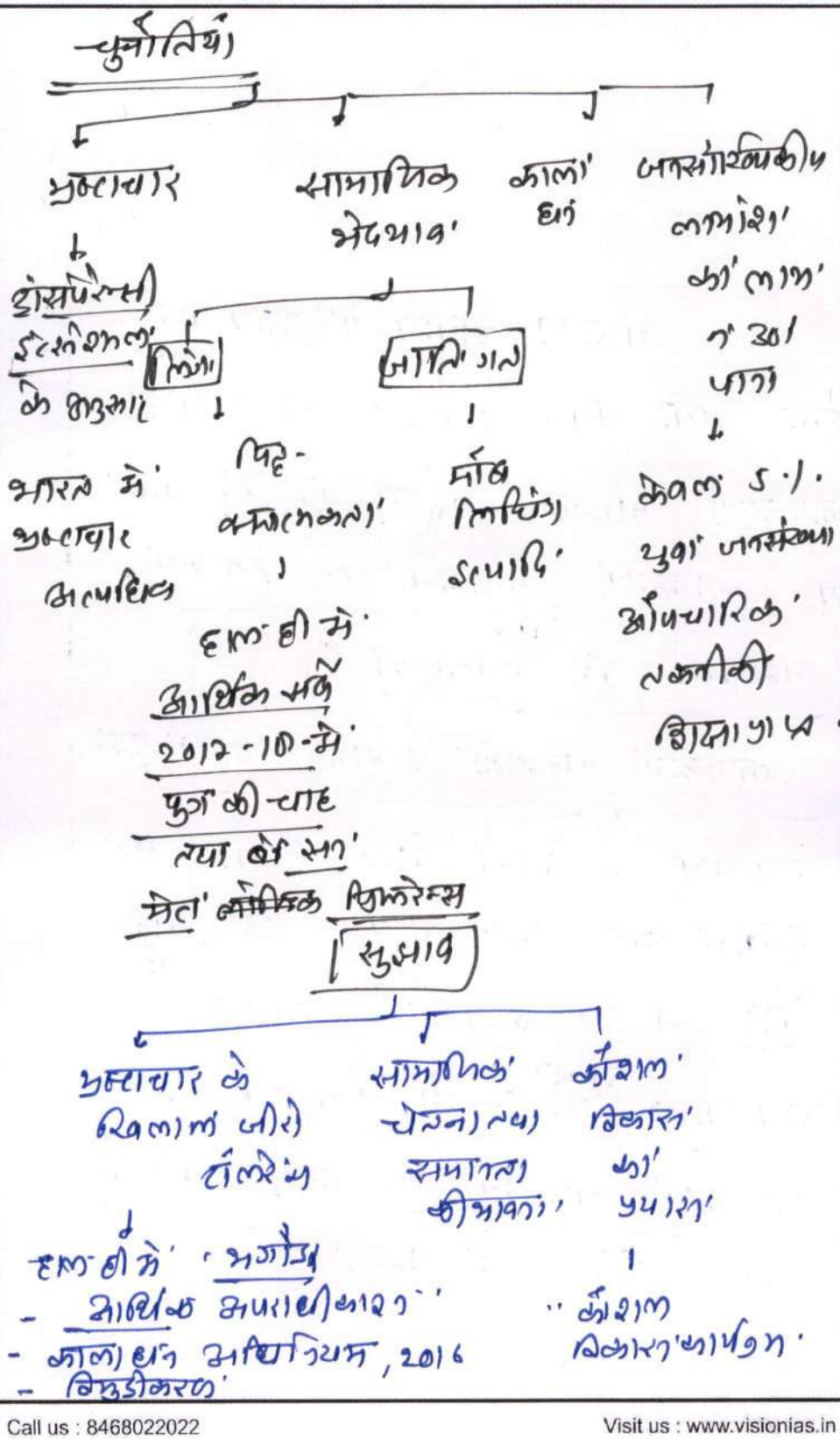

16. Enumerate the key issues faced by working women in contemporary Indian society and the steps taken by the government to address them. Also, critically examine the key features of Maternity Benefit (Amendment) Act 2017. **(250 WORDS) 15**

समकालीन भारतीय समाज में कामकाजी महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली प्रमुख मुद्दों और उनसे निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को सूचीबद्ध कीजिए। साथ ही, मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017 की प्रमुख विशेषताओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भारतीय समाज में पुरुष वादी प्रवृत्ति तथा पितृसत्तात्मकता का प्रभाव कामकाजी महिलाओं पर भी पड़ा है भारत में कामकाजी महिलाओं की श्रम बल भागीदारी पर अत्यन्त कम है

कामकाजी महिलाओं के समक्ष प्रमुख मुद्दे

- कामकाज का दोहरा बोझ ( घर तथा ऑफिस का साथ-साथ कुशलतापूर्वक
- वैदी ने "कामकाजी महिला के विरोधाभासी संरक्षण" पुस्तक में लिखा है कि "कामकाजी महिलाओं को दोहरी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- बच्चों की परवरिश सही तरह से न हो पाने की भावना
- परिवार की जिम्मेदारियों के अनुसार नौकरी में सामंजस्य यथा- पति का स्थानान्तरण, बच्चों की पढ़ाई।
- ऑफिस में यौन शोषण की घटनाएं

सरकार द्वारा प्रयास

- कार्यस्थल पर यौन शोषण (रोकथाम) अधिनियम,
- मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 जिसमें संशोधित 2017
- स्टैण्ड अप इण्डिया, निधि योजना
- भारतीय महिलाओं हेतु विशेष नवाचार इत्यादि

मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017

विशेषताएं.

- कामकाजी महिलाओं को मातृत्व सवैतनिक अवकाश 13 से बढ़कर 26 सप्ताह

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- घर से काम करने की छूट
- महिलाओं कर्मचारियों के होने पर क्रेच की सुविधा होना अनिवार्य
- बच्चा गोद लेने तथा कमिशनिंग मदर को 13 सप्ताह की सवैतनिक मातृत्व अवकाश।

चुनौतियाँ
→ असंगठित क्षेत्र शामिल नहीं जो 90%
→ दोहरी जिम्मेदारी के निभाना नहीं
→ घर पर काम पूरी तरह से नहीं
→ आर्थिक खर्च ज्यादा जिससे महिला कर्मचारियों को वरीयता नहीं

सुझाव

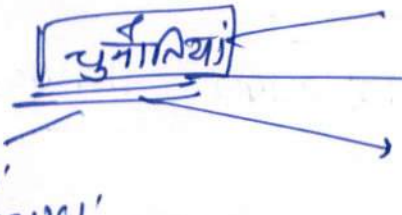

- महिलाओं को मध्य आयु में नौकरी लगाने तथा छूट देने का प्रावधान
- निजी कंपनियों को टैक्स इंसेंटिव की ऐसी महिलाओं को रोजगार दें

इस प्रकार सरकारी प्रयासों की उपलब्धता परन्तु क्रियान्वयन में व्यापकता की आवश्यकता है।

17. State the factors which have led to India being categorized as a water-stressed nation. Also, identify sustainable solutions for averting the crisis at hand. **(250 WORDS) 15**

उन कारकों का विवरण प्रस्तुत कीजिए जिन्होंने भारत को एक जल-दबावग्रस्त राष्ट्र के रूप में वर्गीकृत होने की ओर अग्रसर किया है। साथ ही, इस संकट को टालने के लिए संधारणीय समाधानों की पहचान कीजिए।

विश्व बैंक के अनुसार भारत 2030 पश्चात सर्वाधिक जल संकट वाले राष्ट्रों में एक होगा।

भारत को जलदबावग्रस्त राष्ट्र के रूप में घोषित करने वाले कारक

- जल का अनुचित प्रयोग तथा दुरुपयोग
- कृषि क्षेत्र - ~~अनावश्यक~~ सिंचाई साधनों का समुचित संधारण नही
- जल ज्यादा चाहने वाली फसलें उगाना
यथा - महाराष्ट्र के बुंदेलखंड क्षेत्र में गन्ने की फसल लगाना।

उद्योग - जल के रिसाइकलिंग पर जोर नही

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नदियों, झीलों तथा सागरों में उद्योग का अपशिष्ट छोड़ना।

परिवहन - परिवहन में

घरेलू उपयोग - घरेलू काम-काज तथा अन्य कार्यों में अत्यधिक पानी खर्च

- पशुपालन इत्यादि के कारण भी ज्यादा जल की आवश्यकता

जल - संरक्षणीय समाधान :-

- जल का उपयोग समुचित तथा संरक्षणीय रूप से करने हेतु जनजागरूकता तथा प्रचार प्रसार कार्य पर जोर।
- कई राज्यों यथा - राजस्थान में मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान तथा तेलंगाना सरकार द्वारा मिशन काकतीय इत्यादि अपनाना।

• कृषि पैटर्न तथा फसल में बदलाव (जल की उपलब्धता के अनुसार फसल का चयन) उदा॰ महाराष्ट्र के रालेगांव सिद्धि में गन्ने की फसल पर रोक।

• उद्योगों का कचरा नहरों, तालाबों में जाने पर रोक।

सुझाव




— जीरो वाटर कान्सेप्ट अपनाना (चीन मॉडल)

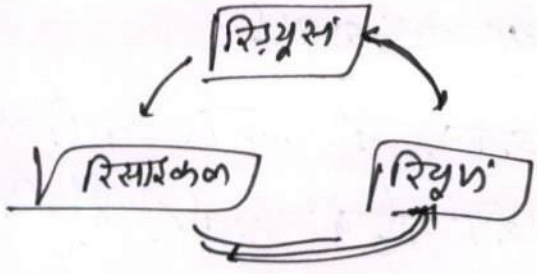

— जल पंचायतों तथा पंचायती राज संस्थाओं का उपयोग।

" प्रेम के बिना कई जिंदा रहे हैं परन्तु जल के बिना एक भी नहीं "

— डब्ल्यू. एच. ऑडेन

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Arresting the deterioration of soil health is key to achieve food security. Discussing the regional variations in soil quality, mention some measures taken by the government for its improvement. **(250 WORDS) 15**

मृदा स्वास्थ्य के ह्रास की रोकथाम खाद्य सुरक्षा की प्राप्ति के लिए अत्यावश्यक है। मृदा की गुणवत्ता में क्षेत्रीय भिन्नताओं पर चर्चा करते हुए, सरकार द्वारा इसके सुधार के लिए उठाए गए कुछ कदमों का उल्लेख कीजिए।

खाद्य सुरक्षा से तात्पर्य "समुचित खाद्य सामग्री तथा आवश्यक पोषण तत्वों तक सर्व जन पहुंच को सुनिश्चित करना है"

मृदा स्वास्थ्य में ह्रास -

- मृदा की गुणवत्ता में लगातार कमी खाद्य सुरक्षा के लिये प्रमुख चुनौती है जिसके कारण खाद्य उत्पादकता में कमी, रासायनिक उर्वरकों का बढ़ता प्रयोग, सिंचाई का ज्यादा उपयोग तथा जल तथा पवन अपरदन इत्यादि प्रमुख है

भारत में खाद्य सुरक्षा की आवश्यकता को सुनिश्चित करने हेतु खाद्य

~~कुरुक्षेत्र~~ मृदा गुणवत्ता बनाने हेतु प्रयास अत्यंत आवश्यक है।

मृदा गुणवत्ता: क्षेत्रीय भिन्नता

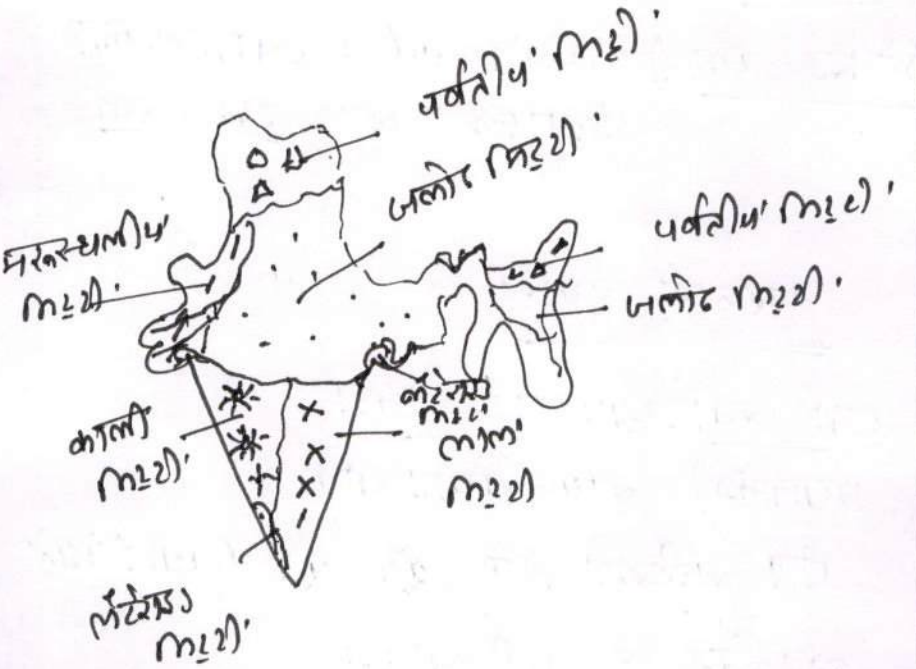




भारतीय जलवायु तथा स्थानीय भिन्नताओं के अनुसार मिट्टी की गुणवत्ता में भिन्नता यथा:-

- राजस्थान, गुजरात में बलुई मिट्टी जो कि कम उपजाऊ तथा क्षारिता की कमी के कारण उत्पादकता कम।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- मैदानी प्रदेशों में जलोढ मिट्टी जो सिंचाई साधनों की उपलब्धता तथा पोषक तत्वों के कारण उत्पादकता ज्यादा।
- काली मिट्टी - कपास हेतु उपयोग (महाराष्ट्र)
- लैटेराइड मिट्टी - ज्यादा वर्षा + ज्यादा तापमान - उत्पादकता कम होना कारण

सरकारी प्रयास

- मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना।
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
- ड्रिप इरिगेशन तथा बूंद-बूंद सिंचाई पद्धति
- हर खेत को पानी योजना।
- 2022 तक किसानों की आय दुगुनी का प्रयास

सुझाव

- जल अपरदन से मिट्टी का बचाव यथा झूम खेती पर रोक
- समोच्च, सीढ़ीदार खेतो पर जोर
- मनरेगा का भूमि सुधार में समुचित प्रयोग
इस प्रकार मृदा गुणवत्ता हेतु सभी हित-धारकों का सम्मिलित प्रयास आवश्यक है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. Give a brief account of the following phenomenon and their influence on Indian Monsoon: 15
निम्नलिखित परिघटनाओं और भारतीय मानसून पर उनके प्रभाव का एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए:
(a) ENSO (एन्सो)
(b) Madden-Julian Oscillation (मेडेन-जूलियन दोलन)
(c) Indian Ocean Dipole (हिंद महासागर द्विध्रुव)

भारतीय मानसून पर भारतीय जलवायु के साथ साथ बाह्य कारकों का भी प्रभाव पड़ता है यथा - ENSO, हिन्द महासागर द्विध्रुव इत्यादि।

ENSO -

- प्रशांत महासागर में पेरू तट के समीप तापमान में परिवर्तन तथा इससे आस्ट्रे. लिया इत्यादि तटों के वायुदाब में परिवर्तन का सम्मिलित अध्ययन ENSO कहलाता है।
- इसके अंतर्गत यदि पेरू तट पर ज्यादा तापमान होता है तो इन्डो तथा भारतीय तटों पर वायुदाब अधिक हो जाता है।

प्रभाव

- भारतीय मानसून में कमी
- अफ्रीका वर्षा तथा ऑस्ट्रेलियाई वर्षा में

वर्तमान

- पेरू तट पर अधिक वर्षा

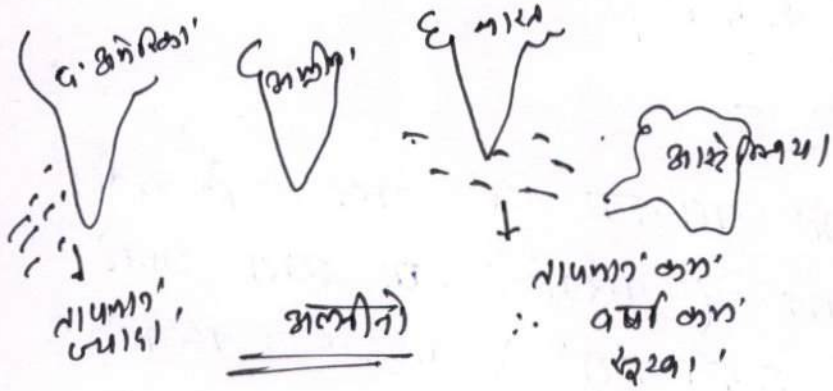




हिन्द महासागर द्विध्रुव

हिन्द महासागर में तापमान में
उतार-चढ़ाव से प्रभावित

यदि अरब सागर ए व. तट पर तापमान ज्यादा तथा पूर्वी तट पर कम स्थिति पूर्वी भारत में वर्षा कम तथा पश्चिमी भारत में वर्षा अधिक।

भारतीय मानसून पर प्रभाव

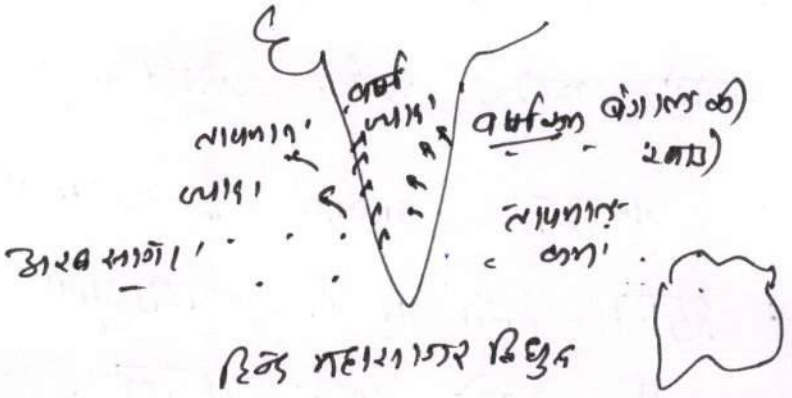




इस प्रकार विभिन्न मौसमी परिस्थितियों का प्रभाव भारतीय मानसून पर पड़ता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. Despite tropical areas being the major emitters of CFCs, the phenomenon of ozone hole formation is largely confined to polar areas and that too over the Antarctic and in early spring. Elaborate. **(250 WORDS) 15**

उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के CFCs के प्रमुख उत्सर्जक होने के बावजूद, ओजोन छिद्र निर्माण की परिघटना मुख्य रूप से ध्रुवीय क्षेत्रों तक ही सीमित है और वह भी बसंत ऋतु के प्रारंभ में अंटार्कटिक के ऊपर। सविस्तार वर्णन कीजिए।

ओजोन छिद्र परिघटना प्रमुख रूप से ध्रुवों में ओजोन की सान्द्रता में कमी का होना है

उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों के मुख्य क्लोरो-फ्लोरो कार्बन उत्सर्जक होने के बावजूद ओजोन छिद्र मुख्यतया ध्रुवीय क्षेत्रों पर ही ज्यादा पाया जाता है इसके प्रमुख कारण -

→ बसंत ऋतु में ध्रुवीय क्षेत्रों में पोलर स्ट्रेटोस्फेरिक बादल बनना।

→ क्लोरीन तथा अन्य ओजोन छिद्र निर्माण गैसों की सान्द्रता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ओजोन छिद्र के अन्तर्गत क्लोरीन O- ओजोन ($O_3$) के कणों से क्रिया कर क्लोरीन को मुक्त तथा ऑक्सीजन अणु ($O_2$) का निर्माण जिससे प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है तथा ओजोन छिद्र बढ़ता चला जाता है।

$CF_3 + O_3 — CaCO_3 \rightarrow O_2 + O$

इस प्रक्रिया में पोलर क्षेत्रों में पाये जाने वाले बादल प्रमुख भूमिका निभाते हैं क्योंकि क्लोरीन को स्थायित्व प्रदान करते हैं जिससे क्लोरीन ज्यादा मात्रा में वातावरण में उपस्थित रह पाती है तथा ज्यादा ओजोन परत को नुकसान पहुँचाती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अंतर्राष्ट्रीय प्रयास

- मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल

- किगाली प्रोटोकॉल (2017)

इस प्रकार ओजोन क्षिद्र पर रोकथाम हेतु अंतर्राष्ट्रीय सहयोग तथा विभिन्न हितधारकों का समुचित प्रयास आवश्यक है।